REPORT

ON

NATIONAL YOUTH DAY



SWAMI VIVEKANAND COLLEGE OF EDUCATION, TARKWARI, TEHSIL BHORANJ, DISTT. HAMIRPUR (HP)-176045



CELEBRATION OF

NATIONAL YOUTH DAY (12th January)

Take risks in your life..

If you win; you may lead..

If you loose; you may guide..

- Swami Vivekananda



Venue: Seminar Hall

No of Participant: 92

Chief Guest: Prof. Shashi Kumar Dhiman, Vice-Chancellor, NIT University, Himachal Pardesh

Co-Ordinator: Mrs Amita Rani, NSS Unit Programme Officer



On the occasion of National Youth Day on Sunday (12 January 2025), Swami Vivekanand College of Education, NSS Unit, Tarkwari remembered Swami Vivekananda on his birth anniversary. On the occasion of Swami Vivekananda's 162nd birth anniversary, a special declamation competition was organized at the seminar hall by the National Service Scheme (NSS) unit of the college under the leadership of chairman, CA Rajeev Sharma. Before the start of the declamation competition, NSS programme officer talked about the biography of Swami Vivekananda. Seven NSS volunteer s took part in this competition. Out of seven participants, three participants achieved first, second and third position. Rajeev Kumar (NSS Volunteer) achieved first position, Priyanka (NSS Volunteer) achieved second and Mamta (NSS Volunteer) got third position. These three participants were awarded cash prizes by the chief guest. In this program, Chairman was accompanied by principal, NSS officials, volunteers and Heads of various departments, professors, students. The program started with lighting of lamps and garlanding the picture of Vivekananda ji. Further, Chairman, CA Rajeev Sharma threw light on the ideals and thoughts of Swami Vivekananda. He said that the thoughts of Swami Vivekananda are inspirational for all of us. His life is exemplary for the youth, taking inspiration from which the youth can become virtuous and self-reliant. Today, on Vivekananda's birthday, let us all take a pledge that we will play our role in nation building by following the path shown by him. On this occasion, students and members of the university family also took a pledge to play their role in nation building by taking inspiration from the life of Swami Vivekananda.

PHOTOGALLARY









स्वामी विवेकानंद शिक्षा महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरि समारोह आयोजित

वार्षिक समारोह

⇒इस अवसर पर प्रशिक्ष अध्यापकों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया

टीम एक्शन इंडिया विवेकानंद विशिष्ठ हमीरपुरः स्वामी विवेकानंद शिक्षा महाविद्यालय तकवाडों में वार्षिक पुरस्कार विवरण समारोह मनाया गया साथ ही महाविद्यालय की एन एस एस ऑफिसर अमीता रानी ने स्वामी जी की शिक्षाओं के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस का आरंभ किया। इस अवसर पर प्रशिक्ष अध्यापकों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया।



गया जिसमें राजीव प्रथम प्रियंका द्वितीय और ममता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रोफेसर शशि कुमार धीमान (उप-कलपति (हमानल प्रदेश टेकिनकल युनियासिटी) मुख्यातिथि

के रूप में उपस्थित रहे। कलिज प्राचार्य डॉक्टर अंजली शर्मा ने सत्र 2023-24 की वार्षिक वित्रविधयों की रिपोर्ट को मुख्यानिथ व अन्य गणमान्य व्यक्तियों के समस्र रखा उन्होंने

वर्ष घर में की गई विभिन्न प्रकार की गतिविधालों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि को एड एवं 2022-24 के वार्षिक परिणाम में कतिका, अनुपमा य अकित हाकत ने प्रथम, दिलीय तृतीय स्थान प्राप्त किया और हो, एल, एड, यत्र 2021-23 में प्रीत शर्मा रिका ठाकर और दोपाली ठाकर ने प्रथम दितीय य तृतीय स्थान शामिल कर अपने माता-पिता व कॉलेज का नाम रोशन किया। मुख्य अतिथ महोदय ने प्रशिक्ष अध्यापको को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत मांस्कृतिक य सार्वभीमिक मुल्वी पर अपने विचार सांज्ञा किए ।माथ ही उन्होंने प्रशिक्ष अध्यापकों को

स्यामी विशेषकार जो की विश्वाओं को अपने जीवन में धारण करने के लिए प्रेरित किया। स्थामी विवेकानंद एजकेशनल मोमाइटी के भेगरमेन सी ए. राजीव शर्मा ने मणा अतिथ व अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्थापत किया। मख्यातिथ महोदय ने विभिन्न पतिविचयों में अव्यल से प्रशिक्ष अध्यापको को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वामी विवेक्तनंद जनाल आफ एजकेशनल रिमार्च बील्यम अंक का मध्य अतिथ हारा विमोचन किया गया। वही स्यामी विवेकानंद एजकशनन सीमार्टी के आयश्च मीए गतीब शर्मा जो ने मुख्य आंतीय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मृतिन किया।



